उठो! अपना राष्ट्रिय स्वाभिमान बचाओ।

प्यारे देशवासियों! आप सबने प्रसन्नतापूर्वक दीपावली का पर्व मनाया होगा तथा एक-२ दीपक सेना के वीर शहीदों के नाम भी जलाया होगा, ऐसी आशा है। आज देश पाकिस्तान द्वारा छद्‌म युद्ध से पीड़ित है। हमारे वीर जवान अपना लहू बहाकर हमारी रक्षा कर रहे हैं। जब देश दीपावली मना रहा था, उस समय हमारे जवान खून की होली खेल रहे थे। हमारे माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने इस दीपावली को देश के वीर सैनिकों के लिए समर्पित किया था। मेरे देशभक्त बन्धुओं एवं भगिनियों! हमारे सुख, चैन, विकास आदि सबके पीछे वीर सैनिकों का ही तप, त्याग और बलिदान एक प्रमुख कारण है। दुर्भाग्यवश देश में कुछ ऐसे भी गद्‌दार नेता वा नागरिक रहते हैं, जो सैनिकों के मरने पर प्रसन्नता तथा आतंकवादियों के मरने पर दुःख जताते हैं। कई पाकिस्तान के जासूस बनाकर अपने ही देश के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहे हैं। धन के लोभी एवं कामवासना के भूखे इस देश में रहकर देश के विनाश का उद्योग कर रहे हैं। ऐसे विकट समय में प्रत्येक जागरुक देशभक्त का दायित्व है कि वह न केवल विदेशी आतंकवादियों पर दृष्टि रखें अपितु आस्तीन के सांपों पर भी सतर्क दृष्टि रखें। देश के जवानों के नाम दीपक जलाना वा दीपावली पर्व को उनके लिए समर्पित करना तो मात्र एक प्रतीक है, हमें चाहिए कि हम देश की सेना के कोष में कुछ न कुछ धन प्रतिमाह अवश्य जमा करायें। इस धन से सेना की आर्थिक आवश्यकता सतत पूरी होती रहें। प्रत्येक भारतीय अपनी विलासिता पर होने वाले व्यय में कटौती करके सेना के कोष में धन अवश्य भेजे, तभी हम सैनिकों के प्रति अपना कर्त्तव्य निभा सकते हैं।

मेरे देशभक्त नागरिकगण! इसके साथ ही जो देश हमारे देश के साथ विश्वासघात करते रहे वा कर रहे हैं, उन देशों के सामान का यथासम्भव बहिष्कार करें। इसके लिए भारत सरकार को भी चाहिए कि जिस सामान के लिये हम ऐसे देशों पर निर्भर हैं, उन्हें अपने देश में क्यों नहीं बनाया जा सकता? पिछले दिनों चीनी मीडिया ने भारत के विषय में लिखा था कि भारत के लोग आलसी हैं, काम नहीं करना चाहते, भ्रष्टाचार चरम पर है, बिजली-पानी की समुचित सुविधा नहीं है। भारत का धन राजनेताओं, अधिकारियों एवं उद्योगपतियों के पास है। वे इस धन को विकास में खर्च नहीं करना चाहते, इस कारण भारत को चीनी सामान खरीदना ही होगा। किसी देश द्वारा हमारे देश की ऐसी छवि प्रस्तुत करना देश के लिए आत्म मंथन का अवसर प्रदान करता है। चीनी मीडिया का यह कथन सर्वथा असत्य नहीं है। वास्तव में हमारे देशवासी बिना कर्म वा योग्यता के उच्च पद, प्रतिष्ठा व धन के लोभ में देश के जाति व सम्प्रदाय के विभाजन वा आग लगा रहे हैं। वर्तमान राजनीति ने इस आग को पुनः सुलगाया है।

मुफ्त के स्मार्टफोन, स्मार्टफोन, टी.वी. आदि बांटकर चुनाव जीतने के प्रयास किये जाते हैं। भ्रष्टाचार हमारे रग-२ में समा रहा है। स्वार्थी-लोभी देशद्रोही लोगों ने इस देश के पहले भी पराधीन बनाया था, आज भी यह चक्र चल रहा है, गरीब पिछड़ रहा है। धनी फल-फूल रहा है। सामाजिक असमानता अभी तक दूर नहीं हुई है तो आरक्षण जातीय युद्ध की ओर देश को ले जा रहा है। साम्प्रदायिक कट्टरता निरन्तर बढ़ रही है। हमारी देशभक्ति नारों व प्रदर्शन तक सीमित रह गई है। क्या हम चीनी मीडिया की कटु टिप्पणियों से कुछ लज्जा अनुभव करके सच्ची देशभक्ति का बीजांकुर अपने दिलों में करने का प्रयास करेंगे? क्या हम इजरायल जैसे महान् देशों से कुछ सीखेंगे। आश्चर्य है कि कुछ महानुभाव अपने सरकार से इजरायल से सीख लेकर आतंकवादियों के सफाये का आग्रह करते हैं परन्तु वे स्वयं इजरायल के नागरिकों जैसी देशभक्ति अपने दिलों में नहीं जगाते।

ईश्वर हम सब भारतीयों को ऐसी शक्ति व बुद्धि प्रदान करे कि हम सच्चे देशभक्त बनकर देश को भावी विनाश से बचा सकें।